



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India



असाधारण

## EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii)

## PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

## PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 446] नई विल्सो, शनिवार, अक्टूबर 15, 1977/शावित्र 23, 1899

No. 446] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 15, 1977/ASVINA 23, 1899

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग सकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed  
as a separate compilation

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

## NOTIFICATION

New Delhi, the 15th October 1977

S.O. 723(E).—Whereas the Central Government is of opinion that it is necessary to appoint a Commission of Inquiry for the purpose of making an inquiry into a definite matter of public importance, namely, the need for ascertaining all the relevant facts and circumstances relating to the alleged incident of lathi charge in the Central Jail, Tihar, on the 2nd October, 1975.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 3 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby appoints a Commission of Inquiry consisting of a single member, namely, Shri R. K. Baweja, a retired District and Sessions Judge.

2. The said Commission shall inquire into all the facts and circumstances relating to the alleged incident of lathi charge in the Central Jail, Tihar, on the 2nd October, 1975.

3. The Commission shall complete its inquiry and report to the Central Government on or before the 30th November, 1977.

4. And whereas the Central Government is of opinion that, having regard to the nature of the inquiry to be made and other circumstances of the case, all the provisions of sub-section (2), sub-section (3), sub-section (4) and sub-section (5), of section 5 of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), should be made applicable to the said Commission, the Central Government hereby directs, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of the said section 5, that all the provisions of sub-sections (2), (3), (4) and (5) of that section shall apply to the said Commission.

[No. VI-14014/3/77-GPA. 1V.]

J. C. PANDEY, Jt Secy.

## गृह मंत्रालय

## अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 अक्टूबर, 1977

करा० आ० 723 (अ) — केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि, लोक महत्व के एक निश्चित विषय, अर्थात् 2 अक्टूबर, 1975 को केन्द्रीय जेल, तिहाड़ में लाठी चार्ज की अभिकथित घटना से संबंधित सभी सुसंगत तथ्यों और परिस्थितियों का पता चलाने की आवश्यकता, की जाच करने के प्रयोजन के लिए जाच आयोग नियुक्त करना आवश्यक है।

अतः अब केन्द्रीय सरकार, आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का 60) की धारा 3 द्वारा इस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एक जाच आयोग नियुक्त करती है जिसमें एक सदस्य, अर्थात् श्री आरा० के० बाबेजा, सेवा-निवृत्त जिला और सेशन न्यायाधीश, होगे।

2. उक्त आयोग 2 अक्टूबर, 1975 को केन्द्रीय जेल, तिहाड़ में हुई लाठी चार्ज की अभिकथित घटना से संबंधित सभी तथ्यों और परिस्थितियों की जाच करेगा।

3. आयोग 30 नवम्बर, 1977 को या उसके पूर्व अपनी जाच समाप्त करके केन्द्रीय सरकार को रिपोर्ट दे देगा।

4. और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि, की जाने वाली जाच की प्रकृति तथा सामले की अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जाच आयोग अधिनियम 1952 (1952 का 60) की धारा 5 की उपधारा (2), उपधारा (3), उपधारा (4) और उपधारा (5) के सभी उपबंध उक्त आयोग को लागू किए जाने चाहिए, प्रति केन्द्रीय सरकार, उक्त धारा 5 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निवेश देती है कि उस धारा की उक्त उपधाराओं (2), (3), (4) और (5) के सभी उपबंध उक्त आयोग को लागू होंगे।

[स० VI-14014 3 77-जी०पी०ए० IV]

जे० सी० पांडेय, संयुक्त सचिव।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, मिन्टो रोड, नई दिल्ली द्वारा  
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977

PRINTED BY THE GENERAL MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, MINTO ROAD,  
NEW DELHI AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1977